UGC Approved Online Journal (Sr.no 48178, 48818)
International Innovative Journal Impact Factor (IIJIF) Impact Factor : 3.117 Peer-Reviewed Journal ISSN : 2278 – 5655
Aaarhat Multidisciplinary International Education Research Journal
{Bi-Monthly} Volume : VI Issue : V June – July 2017

ICDS योजना के अन्तर्गत संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों का समीक्षात्मक अध्ययन

Nivedita Kumari,
Lecturer,
Deepshikha Teachers Training College, Jaipur, Rajasthan.

सम्प्रत्यात्मक पृष्ठभूमि :–

शिक्षा के सम्बन्ध में यदि भारत के ऐतिहासिक पक्ष पर ध्यान दिया जायें, तो प्राचीन समय में भारत शिक्षा की दृष्टि से सर्वोच्च स्थान रखता था। विश्व का सर्वप्रथम विश्वविद्यालय यहीं स्थापित हुआ था। उस समय गुरूकुल प्रणाली शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत थी, जिसमें कुछ विशिष्ट वर्ग एवं जाति के लोग ही शिक्षा प्राप्त करने के अधिकारी थे। शिक्षा पहले उच्च जाति की आकांक्षा एवं प्रतिष्ठा थी, परन्तु द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् सम्पूर्ण विश्व में यह एकाधिकार ''अवसर की समानता'' की माँग द्वारा समाप्त कर दिया गया।

20वीं शताब्दी में सभी राष्ट्रों का यह प्रयास था कि सामाजिक वर्ग एवं आर्थिक विषमताओं को समाप्त कर सभी को ''शिक्षा के समान अवसर'' प्रदान करने हेतु निःशुल्क शिक्षा का प्रसार किया जायें। ''शिक्षा के समान अवसर'' का तात्पर्य यह है कि विविध आयामों वाली शिक्षा के अवसर इस प्रकार विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से उपलब्ध करायें जाये कि सभी वर्ग, जाति तथा क्षेत्रों के बालकों को वैयक्तिक विभिन्नता के अनुसार शिक्षा के माध्यम से उभरने का अवसर मिल सकें। इसे हम ''सार्वभौमिक शिक्षा'' भी कह सकते हैं, जो एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है कि जाति, रंग, धर्म, लिंग तथा योग्यता में भेद किये बिना सभी को शिक्षा के अवसर प्रदान करती है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन :–

- (के. श्रीनिवासन, 2008) ने कर्नाटक राज्य में, ''मीड–डे मील कार्यक्रम हेतु उत्तम कार्यविधियाँ'' विषय पर अपना शोध कार्य किया और शोध–निष्कर्ष में पाया कि कर्नाटक राज्य में संचालित स्कूल परिसर में जल–संरक्षण पर बल दिया जा रहा है तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के मीड–डे मील भोजन उपलब्धता का दायित्व स्थानीय निवासियों पर हैं, जिसकी पूर्ति वे कॉफी तनम्यता तथा गुणवत्तापूर्ण तरीके से सम्पन्न कर रहे हैं।
- (ऐडलमेल, सारा, हारोल्डमेन, डेनियल गीलीगन लेहर, 2008) ने '' भोजन की व्यवसथा का अधिगम पर

प्रभाव का अध्ययन'' अपने शोध कार्य में किया और निष्कर्ष में यह पाया कि भोजन की व्यवस्था से विद्यार्थियों की सीखने की गति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा हैं।

- (सविता कौशल, 2009) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय ने ''राजस्थान में मीड डे मील कार्यक्रम के सुधार एवं अच्छे अभ्यास का अध्ययन'' पर अपना शोध कार्य किया और अपने इस शोध कार्य के निष्कर्ष में यह पाया कि यह कार्यक्रम समाज के लोगो में जागरूकता का विकास करता है और जाति, धर्म, अमीरी, गरीबी आदि का भेद भाव मिटाकर सभी बच्चों को एक साथ बैठकर भोजन करने की आदत से उनमें समानता की भावना प्रस्फुटित करता है। साथ ही, यह बच्चों में नियमित स्कूल आने की आदतों का विकास करता है।
- वार्षिक कार्य योजना एवं बजट, 2010–11 के अन्तर्गत, ''विद्यालयों में राष्ट्रीय मीड डे मील कार्यक्रम'' पर पंजाब में एक शोध कार्य किया गया और पाया गया कि जातिवाद की भावना को समाप्त करने यह कार्यक्रम सहयोगी सिद्ध हुआ है। उचित पोषण आहार प्राप्त होने से बच्चों के स्वास्थ्य में निरन्तर प्रगति हुई है और साथ ही विद्यालयों में बच्चों के नामांकन की संख्या में भी वृद्धि हुई है। इस शोध कार्य में यह भी पाया गया कि बच्चों की कुपोषण व बीमारियों से बचाने में इस कार्यक्रम का विशेष योगदान है।

औचित्य :– उपर्युक्त सम्बन्धित साहित्यों का अवलोकन करने के पश्चात् शोधार्थी ने यह पाया कि सरकार द्वारा समय–समय पर विभिन्न योजनाओं को प्रारम्भ करने तथा ''शिक्षा के अधिकार'' को लागू करने के उपरान्त सभी बच्चों का विद्यालयों में नामांकन व ठहराव तो हो रहा है, पर यह पर्याप्त स्तर तक नहीं हो रहा है और बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा, पोषक, आहार आदि की अत्यधिक महत्ता है। चूँकि, शोधार्थी ने इस क्षेत्र में कार्यों की रिक्तता पाई और शोधार्थी की इस क्षेत्र में कार्य करने की रूचि है, अतः इसने बच्चों की शाला पूर्व शिक्षा, अधिगम, पोषक आहार आदि से सम्बन्धित सरकार द्वारा संचालित योजना ICDS का अध्ययन करने का मानस बनाया। शोधार्थी के मन में इस योजना से सम्बन्धित कई प्रश्न उठे। जैसे – बिहार राज्यों में इस योजना का क्या स्वरूप हैं? इससे कितने बच्चे लाभान्वित हैं ? क्या इसका कार्यान्वयन सही ढंग से हो रहा हैं ? इन सभी प्रश्नों के प्रति अपनी जिज्ञासा को शान्त करने के लिए शोधार्थी ने निम्नांकित समस्या का चयन किया।

समस्या कथन :– ICDS योजना के अन्तर्गत संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों का समीक्षात्मक अध्ययन।

उद्देश्यः–

- ICDS योजना के अन्तर्गत संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों पर उपलब्ध करायी जा रही शाला पूर्व शिक्षा का अध्ययन करना।
- ICDS योजना के अन्तर्गत संचालित आँगलबाड़ी केन्द्रों पर उपलब्ध करायी जा रही पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा का अध्ययन करना।
- ICDS योजना के अन्तर्गत संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों पर उपलब्ध करायी जा रही परामर्श सेवाओं का अध्ययन करना।
- ICDS योजना के अन्तर्गत संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों पर माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य हेतु उपलब्ध करायी जा रही सेवाओं का अध्ययन करना।
- ICDS योजना के अन्तर्गत संचालित आँगनबाड़ी के विभिन्न स्तरीय प्रशासकों एवं प्रबन्धकों की कार्यशैली का अध्ययन करना।

संक्रियात्मक परिभाषाएँ :–

- **ICDS योजना** :– integrated Child Development Services (समेकित बाल विकास सेवाएँ) योजना भारत सरकार द्वारा 2 अक्टुबर सन् 1975 से प्रांरभ की गई एक ऐसी योजना है, जिसके अन्तर्गत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में निर्धारित जनसंख्या मापदण्डों के अनुसार आँगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन कर वहाँ की माताओं और बच्चों को आवश्यक एवं निर्धारित सेवाएँ उपलब्ध करायी जाती हैं।

आँगनबाड़ी :– घर के अंदर या सामने का खुला चौकोर स्थान, जो ऊपर से छाया हों।

शोध विधि :– प्रस्तुत शोध सर्वेक्षण विधि द्वारा किया जायेगा।

जनसंख्या :– प्रस्तुत शोध की जनसंख्या गोपालगंज जिले के सिघवलिया ब्लॉक में ICDS योजना के तहत संचलित 114 आँगनबाड़ी केन्द्र है।

न्यादर्श :– न्यादर्श के रूप में 12 आँगनबाड़ी केन्द्रों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया

जायेगा।

स्त्रोत :– प्रस्तुत शोध के स्त्रोत प्राथमिक एवं द्वितीयक होंगे।

प्रकृति :– प्रस्तुति शोध की प्रकृति गुणात्मक होगी।

उपकरण :–प्रस्तुत शोध में निम्न स्वनिर्मित उपकरणों का प्रयोग किया जायेगा।

- जाँच सूची
- अवलोकन
- साक्षात्कार

परिसीमांकन :–

- प्रस्तुत शोध बिहार राज्य के गोपालगंज जिले के सिघवालिया ब्लॉक तक सीमित है।
- प्रस्तुत शोध ICDS योजना के तहत उपलब्ध सेवाओं तक सीमित हैं।

अध्यायीकरण :–

- सम्प्रत्यात्मक पृष्ठभूमि
- सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन
- अनुसंधान विधि
- प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या
- सारांश, निष्कर्ष एवं भावी शोध के लिए सुझाव

संदर्भ ग्रन्थ सूची :–

पुस्तकें

- जैन, अंजली (2009). प्राथमिक शिक्षा . नई दिल्ली : एस.के. पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स.
- पाठक, पी.डी. (2006). शिक्षा मनोविज्ञान . आगरा . विनोद पुस्तक मन्दिर.
- भटनागर, सुरेश (2009). शिक्षा मनोविज्ञान. मेरठ : इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस.
- रायजादा, बी.एस. और वर्मा, वन्दना (2008). शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
- शर्मा, गणपति राय और व्यास हरिशचन्द्र, (2008). उदीयमान भारतीय समाज व शिक्षा जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी.